गरिमापूर्ण ज्ञानार्जन का उत्साह जगाते भा.सं.ज्ञा. परीक्षा के पुरस्कार वितरण समारोह

जबलपुर (मध्य प्रदेश)

गायत्री परिवार की जबलपुर शाखा द्वारा दिनाँक ६/०१/०८ को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा-२००७ का जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. डी.के. खरे मुख्य अतिथि थे। उन्होंने पुरस्कार उपस्थित विजेता छात्रों, प्राचार्यगणों, शिक्षकगणों एवं कार्यकर्त्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र को समुन्नत बनाने की दिशा में गायत्री परिवार को अभी बहुत काम करना पड़ेगा, इस प्रक्रिया में पूरा शिक्षा विभाग गायत्री परिवार का सदैव सहयोगी रहा है और भविष्य में सतत साथ रहेगा।'' कई शिक्षाविद् प्राचार्यों और शिक्षकों ने भी अपना उद्बोधन दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विभिन्न सामाजिक सेवाभावी संस्थानों के प्रमुख नागरिक भी उपस्थित रहे। गायत्री परिवार की ओर से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा राज्य समिति के डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव, गा.श.पी. के प्रमुख ट्रस्टी- श्रीनाथ टंडन, उपजोन प्रभारी श्री के.सी. शर्मा, जिला संयोजक श्री बी.आर. सराटकर ने कार्यक्रम में अहम योगदान दिया। इस का संचालन पूजा केशरवानी, निधि पाठक एवं डॉ. मदन पटैल ने किया। उल्लेखनीय है कि गतवर्ष जबलपुर जिले के २१५ विद्यालयों के ११५०० विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था। शक्तिपीठ द्वारा आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

जीन्द (हरियाणा)

जीन्द जिले के तीन विद्यार्थियों ने वर्ष २००७ में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में प्रांतीय स्तर पर प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किये। ३१ जनवरी २००८ को लज्जाराम संस्कृत महा विद्यालय, पाण्डू पिण्डरा में आयोजित जिला एवं तहसील स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में जिले का गौरव बढ़ाने वाले इन विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस समारोह में प्रत्येक वर्ग में जिला एवं तहसील स्तर पर वरीयता प्राप्त विद्यार्थियों के अलावा प्रत्येक विद्यालय में प्रथम आये विद्यार्थी एवं सहयोगी शिक्षकों का भी सम्मान किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता महाराज राजेश स्वरूप जी ने की तथा श्रीमती एवं श्री विनोद भटनागर व गायत्री परिवार करनाल के श्री सतीश गौतम मुख्य अतिथि थे। परीक्षा के संचालन में सर्वश्री नरेन्द्रनाथ शर्मा, ज्ञानचंद गर्ग, मनोज कश्यप एवं विनोद जी प्रमुख रूप से सक्रिय रहे।

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

आलमबाग जोन, लखनऊ में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा २००७ का पुरस्कार वितरण समारोह ६ फरवरी को शगुन गेस्ट हाऊस, कानपुर रोड

आलमबाग जोन, लखनऊ के पुरस्कृत विद्यार्थी अतिथियों के साथ

आलमबाग में सम्पन्न हुआ। समारोह में प्रांतीय संयोजक श्री एस.के. श्रीवास्तव, उपजोन प्रभारी श्री रामबाबू गंगवार तथा गायत्री ज्ञान मंदिर, इंदिरा नगर के व्यवस्थापक श्री उमानंद शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे। चारों वर्गों में वरीयता प्राप्त विद्यार्थियों के अलावा सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किये गये। कुछ शिक्षकों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। श्रीमती मंजुला खरे-प्रधानाचार्य एलपीएस सेक्टर-२, श्रीमती सुमन वर्मा-प्रधानाचार्य एलपीएस सेक्टर-डी, सुश्री मंजुला मिश्रा-सिंधी गर्ल्स इण्टर कॉलेज, श्रीमती प्रभा ज्योति कौर-गुरुनानक गर्ल्स इ. कॉलेज, हंसा पाण्डेय-प्रधानाचार्य न्यू पब्लिक इ. कॉलेज पवनपुरी, श्रीमती उत्तम-न्यू पब्लिक इ. कॉलेज श्रीनगर को युग साहित्य, स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह में प्रांतीय संयोजक श्रीवास्तव जी ने इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। खण्ड संयोजक श्री अनूप श्रीवास्तव द्वारा आभार ज्ञापन के साथ इस समारोह का समापन हुआ।

जोबट, झाबुआ (मध्य प्रदेश)

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का झाबुआ जिले का पुरस्कार वितरण समारोह ३ फरवरी को गायत्री शक्तिपीठ जोबट पर सम्पन्न हुआ। न्यायमूर्ति डॉ. अनिल पारे-जिला सत्र न्यायाधीश उपभोक्ता फोरम, जिला धार समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर उन्होंने अपने देश वासियों में अपनी ही संस्कृति के समुचित ज्ञान के अभाव को एक विडम्बना कहा। डॉ. पारे ने भारत के अनेक महापुरुषों के जीवन संस्मरण प्रस्तुत करते हुये अपने जीवन में मानव मूल्यों के विकास के लिए तरुणाई का आह्वान किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. ब्रजनंदन शर्मा प्राचार्य शा.उ.मा. विद्यालय खट्टाली थे और अध्यक्षता कर रहे थे शहीद चन्द्रशेखर आजाद शा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सक्सेना।

माँ गायत्री, परम पूज्य गुरुदेव और वंदनीया माता जी के अर्चन-पूजन व दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम शुरु हुआ। गायत्री शक्तिपीठ उ.मा.विद्यालय जोबट के गौरव श्रीवास्तव (कक्षा) १२वीं ने ध्वजारोहण किया। सन् २००७ की परीक्षा में जिले से १४५५७ छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हुये। ३१ परीक्षा केन्द्रों पर १०० से अधिक विद्यार्थी बैठे। जिले में सबसे अधिक विद्यार्थी शा. कन्या उच्च मा.विद्यालय झाबुआ से ८८१, दूसरे क्रम में शा. उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय झाबुआ से ७०७, तीसरे क्रम में कैथोलिक मिशन हा.से. झाबुआ से ५४९ विद्यार्थी तथा गायत्री शक्तिपीठ उ.मा. विद्यालय जोबट से शत प्रतिशत ४६८ छात्र-छात्राएँ परीक्षा में सम्मिलित हुये थे। इन सभी संस्थाओं के संस्था प्रमुखों को सम्मानित कर प्रतीक चिन्ह भेंट में दिये गये।

कार्यक्रम में प्रावीण्य सूची के समस्त १०८ छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिह्न, प्रशस्ति पत्र, साहित्य एवं नकद राशि से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की सफलता में सर्वश्री जयंतीलाल वाणी, संदीप खत्री, संजय राठौड़ एवं रवि आसोरिया का विशेष योगदान रहा। इसका संचालन डॉ. शिवनारायण सक्सेना ने किया।

गोड्डा (झारखण्ड)

गायत्री शक्तिपीठ गोड्डा पर २० जनवरी को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री ए.के. चाँद थे। उन्होंने वरीयता प्राप्त बच्चों को सम्मानित करने के साथ देशप्रेम, संस्कार एवं सद्भाव बढ़ाने की दृष्टि से इस परीक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों से गायत्री एवं यज्ञ की विचारधार को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान करते हुए कहा कि गायत्री साधना व्यक्तित्व को निखारती है, उन्हें भी इसका लाभ मिला है।

गायत्री परिवार की ओर से जिला संयोजक श्री ओंकार मण्डल तथा श्री सरयुग प्र. यादव ने परीक्षा से संबंधित जानकारी दी। सरस्वती रंजन, कार्तिक, विपिन, कुंदन कुमार, नरसिंह महतो, अजीत दास, नरेश साहा, प्रकाश ठाकुर, योगेन्द्र यादव, सत्यनारायण पंजियारा, ओमप्रकाश साह आदि का अग्रिम योगदान रहा। ☯

व्यक्तित्व विकास के वैकल्पिक प्रयास

व्यक्तित्व-विकास हेतु कन्या शिविर आयोजित

राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़)

गायत्री शक्तिपीठ राजनांदगाँव ने गायत्री विद्यापीठ केशरनगर पर डॉ. कुंती साहू के मार्गदर्शन में व्यक्तित्व विकास कन्या शिविर का आयोजन किया। २८ से ३० दिसम्बर की तारीखों में आयोजित इस शिविर में दुर्ग एवं राजनांदगाँव जिले के १० गाँवों की १८८ कन्याओं ने भाग लिया, जिनकी उम्र १५ से २८ वर्ष थी। समग्र शिविर बहिनों की टोली द्वारा ही मुख्य रूप से सम्पन्न कराया गया। इसके संचालन में दुर्ग की श्रीमती पुष्पलता चंद्राकर, डॉ. शोभा फतिंग, सुश्री किरण कर्ष, भिलाई की सुश्री सरोज सिंह, राजनांदगाँव की श्रीमती सुषमा सुरजन, श्रीमती मीता ठक्कर, श्रीमती नीना शुक्ला तथा प्राणेश विश्वास की अहम भूमिका रही।

शिविर में व्यक्तित्व विकास के विषयों के साथ वर्तमान में कन्याओं के स्वास्थ्य, संस्कार, फैशन परस्ती, कानूनी पक्षों की जानकारी सामयिक समस्याओं और युग निर्माण आन्दोलन के आधारभूत तत्वों-मान्यताओं को समझाने का प्रयास किया गया। बालिकाओं के नैतिक-बौद्धिक विकास तथा मनोरंजन शैली में प्रतिभा संवर्धन हेतु प्रतियोगिता-प्रहसन आदि का आयोजन भी किया गया। दीपयज्ञ के अवसर पर बालिकाओं में उभरे सृजनात्मक उल्लास को संकल्प का रूप दिया गया। लगभग १०० छात्राओं ने दीक्षा ली और अपने क्षेत्र में साप्ताहिक सत्संग-स्वाध्याय आदि प्रारंभ करने का विश्वास दिलाया। श्री यशवंत ठक्कर ने बालिकाओं के लिए ब्रह्मभोज में साहित्य उपलब्ध कराया। ☯

सांस्कृतिक ज्ञान की परख भाषण प्रतियोगिता से

दौराला, मेरठ (उत्तर प्रदेश)

दौराला शाखा भा.सं.ज्ञा. परीक्षा में दी गयी पाठ्य सामग्री से विद्यार्थियों के मानसिक स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव को परखने के लिए पिछले चार वर्षों से

पुरस्कार ग्रहण करते भाषण प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थी

भारतीय संस्कृति भाषण प्रतियोगिता का आयोजन कर रही है। इस वर्ष यह प्रतियोगिता २० जनवरी को जे.बी. पब्लिक स्कूल, सिवाया में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में कक्षा ८ से १२वीं तक के १३ विद्यालयों के ३९ चयनित विद्यार्थियों ने भाग लिया। आयोजकों ने प्रतियोगिता समारोह को आकर्षण एवं ज्ञानवर्धक बनाने का सुंदर प्रयास करते हुए कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रखे थे।

१९ जनवरी को गायत्री परिवार दौराला तथा जे.बी. पब्लिक स्कूल सिवाया ने अपने गाँव में व्यसनमुक्ति यात्रा निकाली। ग्राम प्रधान श्री जितेन्द्र सिंह तथा शिक्षा विभाग के श्री देशपाल गुर्जर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान के बाद अतिथिद्वय, श्री निरंजन सिंह त्यागी-शक्तिपीठ कैथवाड़ी एवं ठाकुर सुरेन्द्र सिंह-शक्तिपीठ कल्याण नगर ने सभा को संबोधित किया। तत्पश्चात् जे.बी. स्कूल सिवाया के बच्चों ने लघु नाटिका 'भविष्य की कल्पना' का मंचन किया। उन्होंने गायत्री परिवार दौराला द्वारा रचित नाटिका 'विज्ञान : समाज और शांतिकुंज' का भी मंचन किया।

भाषण प्रतियोगिता का विषय था 'शिक्षा और विद्या कितनी जरूरी और क्यों?' विजेता छात्रों को पुरस्कार प्रदान करने के साथ सभी प्रतियोगियों को मशाल के प्रतीक चिह्न प्रदान किये गये। ☯

हरियाणा का प्रांतीय पुरस्कार वितरण समारोह

करनाल (हरियाणा)

हरियाणा में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा -२००७ का राजकीय पारितोषिक वितरण समारोह २८ जनवरी

श्री माण्डु जी वरीयता प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए

२००८ को करनाल में सम्पन्न हुआ। शांतिकुंज प्रतिनिधि-डॉ. ओ.पी. शर्मा इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का महत्त्व बताते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि यह राष्ट्र जिस सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक वैभव के आधार पर विश्व का सिरमौर था, उसे पुनर्जीवित किये बिना हम अपने राष्ट्र को आर्थिक रूप से सम्पन्न तो बना सकते हैं, लेकिन युगों-युगों तक विश्वसमाज का आदर्श कहे जाने वाले महामानव नहीं गढ़ सकते। शांतिकुंज द्वारा आरंभ की गयी यह परीक्षा योजना वस्तुत: प्रतिभाओं की खोज है, जिन्हें आगे चलकर संयम, साधना, स्वाध्याय, परमार्थ परायणता के साँचे में ढाला जाना आवश्यक है। शांतिकुंज द्वारा संचालित देव संस्कृति विश्वविद्यालय इसी मिशन का अग्रिम सोपान है।

हरियाणा के प्रांतीय संयोजक श्री एन.के.शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने वर्ष २००७ का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए हरियाणा में सर्वाधिक छात्र संख्या (१२०००) करनाल जिले से शामिल होने की जानकारी दी। जिले की इस उपलब्धि को सभी वक्ताओं ने सराहा और इसे आगे ले जाने का आह्वान किया।

समारोह में राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर वरीयता प्राप्त विद्यार्थियों को शील्ड, प्रशस्ति पत्र तथा पुस्तक व स्टीकर के रूप में परम पूज्य गुरुदेव के सद्विचार प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया। समारोह को महिन्द्रा ट्रेक्टर के प्रतिनिधि श्री माण्डु जी एवं श्री सतीश गौतम ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर प्रांत में परीक्षा योजना के प्रमुख-प्रभारी डॉ. जी.डी. जुनेजा, सर्वश्री संदीप गौतम, एम.एस. धवन, लखनलाल, रामकुमार चौहान, सुशील शर्मा, जगदीश पोसवाल, हंसराज चावला, महिन्द्र शर्मा, डॉ. कुँवरलाल शर्मा, तिलकराज, विजेन्द्र, डांडा आदि की गरिमामय उपस्थिति रही। ☯

प्रतिकूलताएँ सृजेता के आत्म-विश्वास को चमका देती हैं।